

## पाठ – 3 मुद्रा और साख

### अभ्यास

**Q1. जोखिम वाली परिस्थितियों में ऋण कर्जदार के लिए और समस्याएं खड़ी कर सकता है स्पष्ट कीजिए**

**उत्तर :** जोखिम वाली परिस्थितियों में ऋण कर्जदार के लिए और समस्याएं खड़ी कर सकता है उसे ऋण जाल भी कहा जा सकता है ऋण लेने के लिए ब्याज भी भरना पड़ता है और अगर वह नहीं लौटाया गया तो ऋणी ने गारंटी के तौर पर जो संपत्ति रखी थी उससे हाथ धोना पड़ता है। अतः ऐसी परिस्थिति में ऋणी गहरी समस्या में फँस सकता है।

**Q2. मुद्रा आवश्यकताओं के दोहरे संयोग की समस्या को किस तरह सुलझाती है? अपनी ओर से उदाहरण देकर समझाइए।**

**उत्तर :** मुद्रा एक माध्यम के रूप में दोहरे संयोग की समस्या को हल करती है। चाहतों का दोहरा संयोग एक ऐसी स्थिति का संकेत देता है, जहां दो पक्ष एक-दूसरे की वस्तुओं को बेचने और खरीदने के लिए सहमत होते हैं। यानी, एक पक्ष जो बेचना चाहता है वह वही होता है जो दूसरा पक्ष खरीदना चाहता है। मुद्रा विनिमय के माध्यम के रूप में कार्य करके इस थकान भरी और जटिल स्थिति का समाधान करती है जैसे, यदि कोई किसान कपड़ा खरीदना चाहता है, लेकिन कपड़े वाला गाड़ी चाहता है, और अनाज नहीं, तो किसान कपड़े खरीदने लिए का मुद्रा का इस्तेमाल कर सकता है। और कपड़े वाला भी वही मुद्रा का इस्तेमाल करके गाड़ी खरीद सकता है।

**Q3. अतिरिक्त मुद्रा वाले लोगों और ज़रूरतमंद लोगों के बीच बैंक किस तरह मध्यस्थता करते हैं ?**

**उत्तर :** बैंक उन लोगों के बीच मध्यस्थता करता है जिनके पास अधिक धन है और जिन्हें धन की जरूरत है। एक समय पर बैंक कुछ राशि अपने पास रखता है और बाकी जमा राशि को कर्ज के तौर पर उन लोगों को देता है जिन्हें उसकी जरूरत है लेकिन निश्चित ब्याज दरों पर। जिनके पास अधिक धन है बैंक उन्हें प्रोत्साहित करता है कि वह अपना धन बैंक में रखें ताकि उसकी ब्याज दरों से वह कमा सकें और इस धन का इस्तेमाल करके बैंक ज़रूरतमंद लोगों को देता है अर्थात् मध्यस्थता का काम करता है।

**Q4. 10 रुपये के नोट को देखिए। इसके ऊपर क्या लिखा है ? क्या आप इस कथन की व्याख्या कर सकते हैं?**

**उत्तर :** दस रुपये के नोट में "केंद्र सरकार द्वारा गारंटीकृत" एक कथन है। यह एक वचन पत्र है और केवल भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी किया जा सकता है जो भारत में औपचारिक क्षेत्र में सभी धन संबंधी कार्यों का पर्यवेक्षण करता है। दस रुपये के बैंक नोट पर बयान इस विचार से संबंधित है कि आरबीआई धन संबंधी गतिविधियों के काम में केंद्रीय अंग है।

**Q5. हमें भारत में ऋण के औपचारिक स्रोतों को बढ़ाने की क्यों जरूरत है?**

**उत्तर :** हमें भारत में दो मुख्य कारणों से ऋण के औपचारिक स्रोतों का विस्तार करने की आवश्यकता है। सबसे पहले, क्रेडिट के अनौपचारिक स्रोतों पर निर्भरता को कम करने के लिए क्योंकि कर्ज देने वाले सेठ उच्च ब्याज दर वसूलते हैं और उधारकर्ता को अधिक लाभ नहीं देते हैं। दूसरे, वे ऐसे लोगों के एक बड़े समूह को ऋण प्रदान करने में सक्षम होंगे जो एक निजी ऋण प्रणाली से अधिक सरकार को मंजूरी देने पर भरोसा करते हैं।

**Q6. गरीबों के लिए स्वयं सहायता समूहों के संगठनों के पीछे मूल विचार क्या है ? अपने शब्दों में व्याख्या कीजिए**

**उत्तर :** गरीबों के लिए स्वयं सहायता समूहों के पीछे मूल विचार उन्हें वित्तीय क्षेत्रों में स्वयं सहायता के लिए ऋण प्रदान करना है। एक स्व-सहायता समूह ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को शामिल करने वाला एक छोटा समूह है जो अपनी बचत को इकट्ठा करते हैं, और इन पर सदस्यों को अनौपचारिक क्षेत्र द्वारा लगाए गए ब्याज दर से कम पर ऋण देते हैं। यदि स्वयं सहायता समूह एक वर्ष से अधिक समय तक कार्य करता है, तो यह बैंकों से ऋण के लिए पात्र हो जाता है। फिर ऐसे ऋणों का उपयोग गरीबों के लिए अवसर पैदा करने के लिए किया जाता है। इस प्रकार, वे आर्थिक रूप से उन्नत हो जाते हैं, और अब साहूकारों पर निर्भर नहीं हैं।

**Q7. क्या कारण है कि बैंक कुछ कर्जदारों को कर्ज देने के लिए तैयार नहीं होता ?**

**उत्तर :** बैंक उन लोगों को उधार देने के लिए तैयार नहीं हो सकते हैं जो धन राशि वापिस लौटने में असक्षम हो सकते हैं, जिनके पास स्थिर आय या नौकरी नहीं है, और जिनके पास ऋण न चुकाने का इतिहास है। ऐसे मामलों में, बैंकों के पास इस बात की गारंटी नहीं होती है कि संबंधित व्यक्तियों द्वारा ऋण चुकाया जाएगा या नहीं। बैंक केवल उन लोगों के बीच मध्यस्थता करते हैं जिनके पास अधिशेष धन है और जिन्हें धन की आवश्यकता है। बैंक वास्तव में अपने पास जमा धन को उधार लेते हैं, और इसे धन की आवश्यकता वाले व्यक्तियों को उधार देते हैं। इस प्रकार वे उन व्यक्तियों को धन अग्रिम करने के लिए तैयार नहीं होंगे जिनसे पुनर्भुगतान अनिश्चित है।

**Q8. भारतीय रिज़र्व बैंक अन्य बैंकों की गतिविधियों पर किस तरह नज़र रखता है ? यह जरूरी क्यों है ?**

**उत्तर :** भारतीय रिज़र्व बैंक उन धन की मात्रा पर नज़र रखता है जो बैंक ऋण देते हैं, और उनके द्वारा रखी गई नकद शेष राशि भी। यह भी सुनिश्चित करता है कि बैंक न केवल व्यवसायों को मुनाफ़ा कमाने के लिए बल्कि छोटे किसानों, लघु उद्योगों और छोटे उधारकर्ताओं को भी ऋण देते हैं। समय-समय पर, बैंकों को आरबीआई को दी जाने वाली राशियों की जानकारी, किसे और किस ब्याज दर पर जमा करनी है। यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है कि वित्तीय क्षेत्र में समानता को संरक्षित किया जाए, और छोटे उद्योगों को भी विकसित होने के लिए एक आउटलेट दिया जाए। यह इस बात को सुनिश्चित करने के लिए भी किया जाता है कि बैंक जरूरत से ज्यादा पैसा उधार न दें।

**Q9. विकास में ऋण की भूमिका का विश्लेषण कीजिए।**

**उत्तर :** क्रेडिट देश के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विकासशील उद्योगों और व्यापार को ऋण स्वीकृत करके, बैंक उन्हें सुधार के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करते हैं। इससे उत्पादन, रोज़गार और मुनाफ़े में वृद्धि होती है। हालांकि, उच्च जोखिम के मामले में सावधानी बरतनी चाहिए ताकि नुकसान न हो। ऋणों के इस लाभ को भी जोड़-तोड़ कर एक प्रशासनिक दायरे में रखा जाना चाहिए क्योंकि अनौपचारिक क्षेत्र के ऋणों में उच्च ब्याज दरें शामिल हैं जो अधिक हानिकारक हो सकती हैं। इस कारण यह महत्वपूर्ण है कि औपचारिक क्षेत्र अधिक ऋण देता है ताकि उधारकर्ताओं को साहूकारों द्वारा धोखा न दिया जाए, और अंततः राष्ट्रीय विकास में योगदान कर सकें।

**Q10. मानव को एक छोटा व्यवसाय करने के लिए ऋण की जरूरत है | मानव किस आधार पर यह निश्चित करेगा कि उसे यह ऋण बैंक से लेना चाहिए या साहूकार से ? चर्चा कीजिए |**

**उत्तर :** मानव को एक छोटा व्यवसाय स्थापित करने के लिए ऋण की आवश्यकता होती है। मानव विभिन्न कारकों के आधार पर बैंक या साहूकार से उधार लेना है या नहीं, इसका निर्णय करेगा। सबसे पहले, उसके पास संपार्श्विक या संपत्ति होनी चाहिए जो उसके ऋण की गारंटी दे सकती है। अगर उसके पास ऐसी संपत्ति का अभाव है, तो मानव को बैंक से ऋण नहीं मिल सकता है। इस परिदृश्य में, उसे एक साहूकार के पास जाना होगा, भले ही वह उच्च ब्याज दर वसूल करे। दूसरे, अगर मानव को अनौपचारिक क्षेत्र से उधार लेने के प्रतिबंधों के बारे में पता नहीं है, तो वह बैंक ऋण लेने पर भी विचार नहीं कर सकता है। बैंक एवं साहूकार से ऋण लेने पर जो समस्याएं हो सकती हैं उन्हें ध्यान में रखना होगा और यह ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ना होगा।

**Q11. भारत में 80% किसान छोटे किसान हैं, जिन्हें खेती करने के लिए ऋण की जरूरत होती है।**

**(क) बैंक छोटे किसानों को ऋण देने में क्यों हिचकिचा सकते हैं?**

**(ख) वे दूसरे स्रोत कौन हैं, जिनसे छोटे किसान कर्ज ले सकते हैं।**

**(ग) उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए कि किस तरह ऋण की शर्तें छोटे किसानों के प्रतिकूल हो सकती हैं।**

**(घ) सुझाव दीजिए कि किस तरह छोटे किसानों को सस्ता ऋण उपलब्ध कराया जा सकता है।**

**उत्तर :** (क) किसानों के हिस्से में संपत्ति की कमी के लिए बैंक छोटे किसानों को ऋण देने के लिए तैयार नहीं हो सकते हैं। छोटे किसानों से वो पैसा वापस आने में परेशानी हो सकती है इसीलिए उन्हें कर्ज देने में बैंक हिचकिचा जाता है।

(ख) अन्य स्रोत जिनसे छोटे किसान उधार ले सकते हैं, वे साहूकार, मित्र, स्वयं सहायता समूह और सहकारी बैंक हैं।

(ग) ऋण की शर्तें छोटे किसान के लिए प्रतिकूल हो सकती हैं यदि उसके पास खराब फसल है, और उसकी संपार्श्विक को आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर किया जाता है या अपनी ज़मीन के एक हिस्से को बेचने पर मजबूर किया जाता है, अपने ऋण को चुकाने के लिए।

(घ) स्व-सहायता समूहों और सहकारी बैंकों को गारंटी के रूप में संपार्श्विक की आवश्यकता नहीं है; इसलिए, वे छोटे किसानों को सस्ते ऋण प्रदान कर सकते हैं।

**Q12. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें -**

(क) \_\_\_\_\_ परिवारों की ऋण की अधिकांश ज़रूरतें अनौपचारिक स्रोतों से पूरी होती हैं।

उत्तर : (क) ग्रामीण

(ख) \_\_\_\_\_ ऋण की लागत ऋण का बोझ बढ़ाती है।

उत्तर : (ख) उच्च

(ग) \_\_\_\_\_ केंद्रीय सरकार की ओर से करंसी नोट जारी करता है।

उत्तर : (ग) रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया

(घ) बैंक \_\_\_\_\_ पर देने वाले ब्याज से ऋण पर अधिक ब्याज लेते हैं।

उत्तर : (घ) जमा धन

(ङ) \_\_\_\_\_ संपत्ति है जिसका मालिक कर्जदार होता है जिसे वह ऋण लेने के लिए गारंटी के रूप में

इस्तेमाल करता है, जब तक ऋण चुकता नहीं हो जाता।

उत्तर : (ङ) संपार्श्विक

### अभ्यास अतिरिक्त परियोजना / कार्यकलाप

**Q13. नीचे दी गई तालिका शहरी क्षेत्रों के विभिन्न लोगों के व्यवसाय दिखाती है। इन लोगों को किन उद्देश्यों के लिए ऋण की ज़रूरत हो सकती है? रिक्त स्तम्भों को भरें।**

| व्यवसाय                         | ऋण लेने का कारण |
|---------------------------------|-----------------|
| निर्माण मज़दूर                  |                 |
| कंप्यूटर शिक्षित स्नातक छात्र   |                 |
| सरकारी सेवा में नियोजित व्यक्ति |                 |
| दिल्ली में प्रवासी मज़दूर       |                 |
| घरेलू नौकरानी                   |                 |

|                        |  |
|------------------------|--|
| छोटा व्यापारी          |  |
| ऑटो रिक्शा चालक        |  |
| बंद फ़ैक्टरी का मज़दूर |  |

आगे, लोगों को दो वर्गों में विभाजित कीजिए, जिन्हें आप सोचते हैं कि बैंक से कर्ज मिल सकता है और जिन्हें कर्ज मिलने की आशा नहीं है। आपने वर्गीकरण के लिए किन कारकों का उपयोग किया?

उत्तर : छात्र स्वयं करें।

Q14. सही उत्तर का चयन करें -

(क) स्वयं सहायता समूह में बचत और ऋण संबंधित अधिकतर निर्णय लिए जाते हैं -

(i) बैंक द्वारा

(ii) सदस्यों द्वारा

(iii) गैर सरकारी संस्था द्वारा

उत्तर : (क) सदस्यों द्वारा

(ख) ऋण के औपचारिक स्रोतों में शामिल नहीं है

(i) बैंक

(ii) सहकारी समिति

(iii) नियोक्ता

उत्तर : (ख) नियोक्ता